अध्याय पंचम :–शोध संराश निष्कर्ष एवं सुझाव

1. प्रस्तावना
2. समस्या कथन
3. शोध के उद्देश्य
4. शोध के चर
5. शोध के न्यादर्श
6. शोध में प्रयुक्त उपकरण
7. शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी विधि
8. शोध की सीमाएँ
9. शोध निष्कर्ष
10. भावी शोध हेतु सुझाव

5.1 प्रस्तावनाः–

इस अध्याय में लघुशोध का सांराश एवं अध्याय चार में दिये गये आकड़ो के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष एवं भविष्य में किये जाने वाले अध्ययन संबंधी सुझाओं को प्रस्तुत किया गया है।

5.2 समस्या कथन

"विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध"– एक अध्ययन

5.3 शोध के उद्देश्य– प्रस्तुत शोध हेतु शोधार्थी द्वारा निम्नलिखित उद्देश्य बनाये गये हैं, जिससे शोध से संबंधित विशेष जानकारी प्राप्त करने में शोधार्थी को सहायता मिली है।

1 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।

2 विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि लिंग अनुसार ज्ञात करना।

3 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि प्रबंधन अनुसार ज्ञात करना।

4 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि प्रशासन अनुसार ज्ञात करना।

5 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि माध्यमअनुसार ज्ञात करना।

6 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन ज्ञात करना।

7 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन लिंग अनुसार ज्ञात करना

8 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन प्रबंधन अनुसार ज्ञात करना।

9 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन प्रशासन अनुसार ज्ञात करना।

10 विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन माध्यम अनुसार ज्ञात करना।

11 विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य संबंध ज्ञात करना।

5.4 शोध के चर

1. सामाजिक समायोजन

2. शैक्षिक उपलब्धी

अन्य चर

1.बालक	2.बालिका
3.हिन्दी माध्यम	4.अंग्रेजी माध्यम
5.शासकीय विद्यालय	6.अशासकीय विद्यालय
7 के.मा.शि.मं. दिल्ली	8 मा.शि.मं. भोपाल म.प्र.

5.5 शोध पद्धति :-

यह शोध विवरणात्मक पद्धति द्वारा किया जाने वाला शोध है। इसमें सर्वे अध्ययन का उपयोग किया गया है।शोध हेतु विद्यालयों का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक विधि से चयन किया गया है। विद्यार्थियों के चयन हेतु लॉटरी विधि का प्रयोग किया गया है। इसमे विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंधो का अध्ययन किया गया है।

5.6 शोध उपकरण-

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी ने निम्न शोध उपकरण का प्रयोग किया गया है।

इस शोध में विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन को ज्ञात करने के लिए **मनोवैज्ञानिक दैवा** द्वारा निर्मित **सामाजिक समायोजन इन्वेन्ट्री टूल** का उपयोग करके वास्तविक समाजिक समायोजन की जानकारी प्राप्त कि है।शोध हेतु विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि जानने के लिए **अर्द्धवार्षिक परीक्षाफल** को विद्यालय से प्राप्त किया गया है।

5.7 शोध मे प्रयुक्त सांख्यिकी की विधि

परिकल्पना की जॉच करने हेतु कार्लपिर्यस सहसंबंध संख्यिकी विधि,मध्यमान,मानक विचलन,क्रातिंक अनुपात का प्रयोग किया गया है।

5.8 शोध की सीमाएँ-

प्रस्तुत शोध की सीमाओं का निर्धारण किया गया है, जो निम्नलिखित है:-

1. प्रस्तुत अनुसंधान मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के क्षेत्र में निहित है।
2. प्रस्तुत शोध कक्षा 11 वीं के **गणित संकाय** के विद्यार्थियों पर किया गया है।
3. प्रस्तुत शोध में विद्यार्थियों कि आयु 16 से 18 वर्ष के बीच है।
4. प्रस्तुत शोध में शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों का चयन किया गया है।
5. प्रस्तुत शोध में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों का चयन किया गया है।

6 हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों का चयन किया गया है

5.9 शोध निष्कर्ष :-

प्रस्तुत शोध कार्य से निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए है-

1 शोध के अनुसार विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य -0.02 का सहसंबंध है

2 छात्र की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन में सार्थक संबंध नहीं है।

3. छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन में सार्थक संबंध नहीं है।

4. शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

5 अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

6. केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल दिल्ली के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

7. माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

8. हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

9. अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

10. शोध के कुल विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

शोध में चरों के संबंध में का अन्तर –

1. छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

2. छात्र–छात्राओं के सामाजिक समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

3. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

4. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की सामाजिक समोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

5. केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।

6. केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा मण्डल, दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

7. हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।

8. हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर है।

5.10 भावी शोध हेतु सुझाव

1. विद्यालायों में शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारकों को देखना चाहिए

2. शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए अनेक गतिविधियो को करवाना चाहिए।

3. सामाजिक समायोजन के संबंधित कारकों को खोजना चाहिए।

4. सामाजिक समायोजन बढ़ाने के लिए अन्य पाठ्यसहगामी क्रियाओं को कराना चाहिए।